आज मंगलवार है

आज मंगलवार है, महावीर का वार है, यह सच्चा दरबार है।
सच्चे मन से जो कोई ध्यावे, उसका बेड़ा पार है॥

चेत सुति पूनम मंगल का जनम वीर ने पाया है,
लाल लंगोट गदा हाथ में सर पर मुकुट सजाया है।
शंकर का अवतार है, महावीर का वार है,
सच्चे मन से जो कोई ध्यावे, उसका बेड़ा पार है॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

ब्रह्मा जी के ब्रह्म-ज्ञान का बल भी तुमने पाया है,
राम काज शिव शंकर ने वानर का रूप धराया है।
लीला अपरम पार है, महावीर का वार है,
सच्चे मन से जो कोई ध्यावे, उसका बेड़ा पार है॥

बालपन में महावीर ने हरदम ध्यान लगाया है,
श्रम दिया ऋषिओं ने तुमको ब्रह्म ध्यान लगाया है।
राम रामाधार है, महावीर का वार है,
सच्चे मन से जो कोई ध्यावे, उसका बेड़ा पार है॥

राम जनम हुआ अयोध्या में कैसा नाच नचाया है,
कहा राम ने लक्ष्मण से यह वानर मन को भाया है।
राम चरण से प्यार है, महावीर का वार है,
सच्चे मन से जो कोई ध्यावे, उसका बेड़ा पार है॥

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य भजन

- आज रविवार है
- आज सोमवार है
- आज मंगलवार है
- आज बुधवार है
- आज गुरुवार है
- आज शुक्रवार है
- आज शनिवार है

हिन्दीपथ.कॉम